जल संरक्षण के लिए चलाए ... पृष्ठ 2 | शहर में महापौर के प्रयास से एक... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

।। जय श्री जलाराम ।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

गुरूवार, 08 मई 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 198, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

उन्होंने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर मारा

नई दिल्ली (ए)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए देश के सशस्त्र बलों ने 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे। इन ठिकानों में आतंकियों को भर्ती किया जाता था। उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था। उनके दिमाग में जहर भरा जाता था।

कंधार से पहलगाम तक का बदला

भारतीय सशस्त्र बलों ने पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर आतंकियों के ऐसे नौ शिविरों को नष्ट किया, जहां से पिछले 25 साल में अलग-अलग हमलों को अंजाम देने की साजिश रची गई। भारत का यह प्रतिशोध इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 25 साल पहले यानी 1999 में कंधार विमान अपहरण के बाद यात्रियों के बदले रिहा किए गए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय भी ध्वस्त कर दिया गया है। मोस्ट वॉन्टेड आतंकी हाफिज सईद के संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सबसे अहम और बड़ा आतंकी शिविर भी तबाह हो चुका है। वहीं, पहलगाम में हमला करने आए आतंकियों ने जहां प्रशिक्षण लिया था, वह भी नेस्तनाबूद किया जा चुका है।

अस्पताल-स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चल रहे थे तीन कैम्प

पीओके के मुजफ्फराबाद में मौजूद मरकज सैयदना बिलाल कैम्प और पाकिस्तान के सियालकोट स्थित सरजल कैम्प और महमूना जोया कैम्प, ये ऐसे तीन ठिकाने थे, जो अस्पताल-स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चल रहे थे। किसी को शक न हो, इसके लिए यहां कुछ समय इलाज होता था, बाकी समय आतंकियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। आगे के कमरों में डॉक्टर मौजूद रहते थे और परदे के पीछे आतंकी।

ऑपरेशन सिंदूर में यह खास ध्यान रखा गया कि पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों, रिहाइशी इलाकों और आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे। इस पराक्रम के तहत नष्ट किए गए आतंकी ठिकानों के बारे में बारी-बारी से जानते हैं...

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित पांच आतंकी ठिकाने

1. सवाई नाला कैम्प, मुजफ्फराबाद, पीओके

कहां नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर।

किसका कैम्प लश्कर-ए-तैयबा।

2024 में सोनगर्म और गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों के साथ-साथ पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को पर्यटकों पर हुए हमले को अंजाम देने आए आतंकियों ने इसी शिविर में प्रशिक्षण लिया था। यह आतंकी शिविर 2000 में शुरू हुआ था। पाकिस्तान की फौज और आईएसआई के अफसर अक्सर यहां आते थे।

हाफिज सईद यहां आया करता था

लश्कर-ए-तैयबा का सरगना हाफिज सईद यहां पर नए आतंकियों का स्वागत करने के लिए आता था। यहां पर फायरिंग रेंज और ट्रेनिंग ग्राउंड बनाया गया था। यहां आतंकियों को जीपीएस चलाने, राइफल चलाने, ग्रेनेड फेंकने का प्रशिक्षण दिया जाता था। अजमल कसाब ने भी यहां कुछ समय ट्रेनिंग ली थी। यहां पर प्रशिक्षण की सुविधाएं बढ़ाने के लिए नया निर्माण किया जा रहा था।

2. मरकज सैयदना बिलाल कैम्प, मुजफ्फराबाद, पीओके

किसका कैम्प जैश-ए-मोहम्मद।

यहां हथियार, विस्फोटक रखे जाते थे। यहां आतंकियों को घने जंगलों में जिंदा रहने का प्रशिक्षण दिया जाता था। पाकिस्तानी सेना का स्पेशल सर्विसेस ग्रुप यहां पर आतंकियों को ट्रेनिंग देने आता था। यहां पर आतंकी शिविर हिजामा केंद्र की आड़ में चलाया जा रहा था। इस केंद्र में मेडिकल थैरेपी दी जाती थी। जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कराने से पहले आतंकियों को यहां पर रखा जाता था।

3. गुलपुर कैम्प, कोटली, पीओके

कहां नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर।

किसका कैम्प लश्कर-ए-तैयबा।

राजौरी और पुंछ में सक्रिय आतंकी इसी कैम्प से प्रशिक्षण प्राप्त करते थे। पुंछ में 20 अप्रैल 2023 को हुए हमले और रियासी में 9 जून 2024 को तीर्थयात्रियों पर हमला करने आए आतंकियों ने भी यहीं से ट्रेनिंग ली थी।

4. बरनाला कैम्प, भीमबेर, पीओके

कहां नियंत्रण रेखा से नौ किमी दूर।

किसका कैम्प लश्कर-ए-तैयबा।

यहां हथियार, आईईडी रखे जाते थे। आतंकियों को घने जंगलों में जिंदा रहने का प्रशिक्षण दिया जाता था। यहां एक बार में 100 से ज्यादा आतंकी रुक सकते थे।

5. अब्बास कैम्प, कोटली, पीओके

कहां नियंत्रण रेखा से 13 किमी दूर।

किसका कैम्प लश्कर-ए-तैयबा/जैश-ए-मोहम्मद

यहां पर लश्कर के फिदायीन दस्ते तैयार किए जाते थे। एक बार में 15 आतंकियों को प्रशिक्षण देने लायक जगह थी। माना जाता है कि जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी कारी जरार भी यहां आता था। पुंछ और राजौरी सेक्टर में घुसपैठ के लिए यहीं से आतंकी तैयार होते थे।

6. सरजल कैम्प, सियालकोट, पाकिस्तान

कहां अंतरराष्ट्रीय सीमा से छह किमी दूर।

किसका कैम्प जैश-ए-मोहम्मद।

मार्च 2025 में जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों की जिन आतंकियों ने हत्या की, उन्होंने यहीं ट्रेनिंग हासिल की थी। जैश का आतंकी अब्दुल रउफ असगर इस कैम्प को चलाता था। यहीं पर आतंकियों को सुरंगें खोदना सिखाया जाता था। यहीं से आतंकी ड्रोन के जरिए हथियार और नशे की खेप भारत में भेज रहे थे। अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित अरनिया और जम्मू सेक्टर में जो भी सुरंगें घुसपैठ के लिए बनाई जाती थीं, उनमें इसी शिविर के आतंकियों का हाथ होता था। यह तरीका हमास से मिलता-जुलता है। इस तरह के खुफिया इनपुट भी हैं कि जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों और हमास के आकाओं के बीच मुलाकातें हुई थीं।

आगे डॉक्टर, परदे के पीछे आतंकी, खालिस्तानी आतंकियों को भी दिया प्रशिक्षण

यहां आतंकी शिविर को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चलाया जा रहा था। शुरुआती छह-सात कमरों का इस्तेमाल डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ करता था। वहीं, पार्किंग एरिया के पास के दो क्वार्टर का इस्तेमाल आतंकियों के लिए होता था। मई 2014 में पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कहने पर इसी शिविर से जुड़े आतंकी मोहम्मद अदनान अली डॉक्टर ने खालिस्तान टाइगर फोर्स के एक ऑपरेटिव को थाईलैंड जाकर पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण दिया था।

7. महमूना जोया कैम्प, सियालकोट, पाकिस्तान

कहां अंतरराष्ट्रीय सीमा से 12 से 18 किमी दूर।

किसका कैम्प हिजबुल मुजाहिदीन।

यहीं से प्रशिक्षण लेने के बाद आतंकी जम्मू और कठुआ में घुसपैठ करते हैं। पठानकोट एयरबेस पर हुए हमले की साजिश यहीं रची गई थी। यह कैम्प एक स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चल रहा था। जम्मू में आतंकी हमलों को अंजाम देने वाला इरफान टांडा इस कैम्प को चलाता था। तीन कमरों के परिसर में यहां आतंकी शिविर चल रहा था। आतंकी यहां प्रशिक्षण लेते थे और रहने के लिए पास में मौजूद अस्पताल के परिसर का इस्तेमाल करते थे।

8. मरकज तैयबा कैम्प, मुरीदके, पाकिस्तान

कहां अंतरराष्ट्रीय सीमा से 18 से 25 किमी दूर।

किसका कैम्प लश्कर-ए-तैयबा।

पाकिस्तान के अंदर मौजूद सबसे बड़े आतंकी ठिकानों में से एक। 2008 के 26/11 मुंबई हमलों को अंजाम देने आए आतंकियों ने यहीं प्रशिक्षण लिया था। अजमल कसाब और डेविड हेडली को भी यहीं पर ट्रेनिंग दी गई थी, जिसे दौरा-ए-रिब्बत कहा जाता है। तहव्वुर राणा भी यहां पर आया था, जिसे अब अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा चुका है। यहां पर चार मिसाइलें दागी गईं। अल कायदा के सरगना आतंकी ओसामा बिन लादेन ने यहां पर एक गेस्ट हाउस बनाने के लिए 10 लाख पाकिस्तानी रुपये दान में दिए थे। लश्कर यहां पर आतंकियों की भर्ती दो हफ्ते का कोर्स पढ़ाता था, जिसमें नए आतंकियों का ब्रेनवॉश किया जाता था।

2000 में शुरुआत हुई

मरकज तैयबा की शुरुआत 2000 में हुई थी। यह 82 एकड़ में फैला है। लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के आतंकी यहां पर नियमित तौर पर प्रशिक्षण लेने आते थे। इसी मरकज में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी सरगना आमिर हमजा, अब्दुल रहमान आबिद, जफर इकबाल रह रहे थे। लश्कर का प्रमुख हाफिज सईद और उसका कमांडर जकीउर रहमान लखवी भी यहीं आकर रहा करता था।

9. मरकज सुभानअल्लाह, बहावलपुर, पाकिस्तान

कहां अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किमी दूर।

किसका कैम्प जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय।

यहां पर लोगों को भड़काकर उन्हें आतंकी बनाया जाता था। भर्ती के बाद उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था। आतंकी सरगना अक्सर यहां आते थे। फरवरी 2019 के पुलवामा हमले की साजिश यहीं से रची गई थी। इसी परिसर में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर और उसके भाई असगर के घर भी थे। मसूद अजहर वही आतंकी है, जिसे 1999 के कंधार विमान अपहरण मामले के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले छोड़ना पड़ा था। बाद में इसने जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन बनाया।

दो साल बाद 2024 में यहां आया था मसूद अजहर

इस मरकज सुभानअल्लाह में जैश के सरगना मसूद अजहर के भाई और ज्यादातर रिश्तेदार रहते थे। जैश की तरफ से खाड़ी और अफ्रीका के देशों के जरिए पैसे की उगाही की गई थी। उसी पैसे से यहां शिविर बनाया गया था और यह 2015 से सक्रिय था। यहां पर आतंकियों के लिए जिम बनाया गया था। उन्हें तैराकी सिखाने के लिए स्वीमिंग पूल भी था। आतंकियों को घुड़सवारी भी सिखाई जाती थी। 30 नवंबर 2024 को मसूद अजहर ने दो साल बाद यहां पर जैश के आतंकियों को संबोधित किया था।

जनता के बीच जाकर जनता की समस्याओं का समाधान करना ही रामराज्य - साव

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के राम्हेपुर (एन) में सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने समाधान शिविर में स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जमीनी पहुंच एवं लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को अन्नप्राशन कराकर सुपोषण टोकरी वितरित किया। उन्होंने 21 हितग्राहियों को नोनी सुरक्षा योजना का बॉन्ड पेपर भी प्रदान किया। उप मुख्यमंत्री साव ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि जनता के बीच जाकर जनता की समस्याओं का समाधान करना ही रामराज्य है, यही विष्णु का सुशासन है। हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित हैं, लोगों को अलग-अलग भटकने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अकेले लोरमी जनपद पंचायत में 400 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। अभी आवास के लिए सर्वे चल रहा है। सभी पात्र हितग्राहियों को आवास मिलेगा। साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी गारंटियों को विष्णु देव साय सरकार पूरा कर रही है। प्रदेश में महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत 15 किश्तों की राशि दी जा चुकी है। पीएम आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हो रहा है। क्षेत्र में विकास का कार्य सांय-सांय हो रहा है।

10वीं-12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित: बालिकाओं ने मारी बाजी

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा 2025 के परिणाम जारी किए। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल के वेबसाइट में परीक्षा परिणाम अपलोड किया। वर्ष 2025 की हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा में बालिकाओं ने अपना परचम लहराया है। 10वीं की परीक्षा में 80.70 प्रतिशत और 12वीं की परीक्षा में 84.67 प्रतिशत बालिकाओं ने सफलता प्राप्त की है। दोनों परिक्षाओं में बालकों का प्रतिशत क्रमश: 71.39 और 78.07 रहा है। 10वीं एवं 12वीं की प्रावीण्य सूची में कांकेर जिले के बच्चों ने प्रथम स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सफल हुए विद्यार्थियों और उनके पालकों को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। किन्ही कारणों से असफल रहने वाले विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे फिर से दुगुनी मेहनत और दुगुनी लगन के साथ तैयारी करें और अगले परीक्षा में अवश्य सफल होंगे। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट (10वीं) की मुख्य परीक्षा में कुल तीन लाख 23 हजार 94 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। उनमें से एक लाख 45 हजार 141 बालक और एक लाख 77 हजार 953 बालिकाएं हैं। इनमें से कुल तीन लाख 21 हजार 299 परीक्षार्थियों के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें कुल दो लाख 45 हजार 913 (कुल 76.53 प्रतिशत) परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी तरह हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट (12वीं) की परीक्षा में कुल दो लाख 38 हजार 626 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिनमें से एक लाख एक हजार 184 बालक और एक लाख

लाल आतंक पर प्रहार: मुठभेड़ में 40 से अधिक नक्सलियों, 20 शव बरामद

बीजापुर। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के करेंगुट्टा इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। अब तक 20 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कुल मारे गए नक्सलियों की संख्या 40 से अधिक बताई जा रही है। यह मुठभेड़ करेंगुट्टा और नम्बी के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र में हुई, जो कि घने जंगलों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला इलाका माना जाता है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत चल रहे ऑपरेशन के 16वें दिन सुरक्षाबलों को यह बड़ी सफलता हाथ लगी है।

सूत्रों के अनुसार, मारे गए नक्सलियों के बरामद हुए शवों को नम्बी लाया गया है। सुरक्षाबल अब भी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं और बाकी नक्सलियों के शवों को लाने की तैयारी की जा रही है। माना जा रहा है कि नक्सली अपने कई साथियों के शव लेकर भाग भी चुके हो, जिसकी पुष्टि के लिए सर्च ऑपरेशन को और तेज किया गया है।

लगातार दबाव में नक्सली

करेंगुट्टा में पिछले दो सप्ताह से चल रहा ऑपरेशन नक्सलियों पर बड़ा दबाव बना रहा है। सुरक्षाबलों ने रणनीतिक ढंग से जंगलों में गश्त और घेराबंदी तेज कर रखी थी। इस मुठभेड़ को अब तक का सबसे बड़ा मुठभेड़ माना जा रहा है, जिसमें नक्सलियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है।

स्थानीय ग्रामीणों से भी जुटाई जा रही जानकारी

सुरक्षाबल स्थानीय ग्रामीणों से भी संपर्क कर नक्सल गतिविधियों की जानकारी जुटा रहे हैं। साथ ही, आशंका जताई जा रही है कि इलाके में कुछ और नक्सली दल छिपे हो सकते हैं, जिसके चलते सर्च ऑपरेशन को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस: सीएम साय के निर्देश पर तीन कर्मियों पर एफआईआर दर्ज, सेवा से हटाये गये,मांगी थी घूस

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ सरकार ने सुशासन तिहार के तीसरे चरण के दौरान एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भ्रष्टाचार के प्रति उसकी नीति जीरो टॉलरेंस की है। बेमेतरा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े तीन संविदा कर्मियों हितग्राहियों से रिश्वत मांगने एवं डरा-धमकाकर वसूली करने की पुष्टि के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नवागढ़ की लिखित रिपोर्ट और नांदघाट थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर तीनों दोषियों क्रमशः नीरा साहू, नारायण साहू और ईश्वरी साहू को तत्काल प्रभाव से सेवा से हटा दिये गये हैं। कलेक्टर बेमेतरा ने आदेश जारी कर दिये हैं।

घटना की जानकारी एक वायरल ऑडियो क्लिप के माध्यम से सामने आई थी, जिसमें ग्राम पंचायत ऐरमशाही की आवास मित्र नीरा साहू ने प्रधानमंत्री आवास की किस्त जारी करने के एवज में 25 हजार रूपये की रिश्वत मांगने की बात स्पष्ट रूप से सामने आई। तहसीलदार की जांच में नीरा साहू ने स्वयं ऑडियो में अपनी आवाज होने की बात स्वीकार की है।

इसी प्रकरण में नारायण साहू, जो ग्राम पंचायत तेंदुआ में

रोजगार सहायक है ने हितग्राहियों को धमकाते हुए 10 हजार रुपये की मांग किए जाने के प्रमाण मिले हैं। वहीं उनकी पत्नी ईश्वरी साहू, जो ग्राम पंचायत ऐरमशाही में रोजगार सहायक के रूप में पदस्थ थीं, उन पर भी हितग्राहियों से डराकर पैसे मांगने के गंभीर आरोप ग्रामीणों ने लगाए गए हैं।

मामले में नांदघाट थाना में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराएँ 308(2) और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर प्रकरण की विधिवत विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस कार्रवाई को सुशासन तिहार के मूल उद्देश्य का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी आमजन के अधिकारों का दुरुपयोग न करे, और यदि करता है तो उसे तत्काल विधिसम्मत कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यह सिर्फ कार्रवाई नहीं, सुशासन का संकल्प है।

10 करोड़ की लगात की गुणवत्ताहीन सडक़ देखने महापौर सडक़ पर उतरे - ओस्तवाल

राजनांदगांव (नादगांव टाइम्स)। शहर की जन- जन की आवाज एवं पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने एक जारी बयान के माध्यम् से यह कहा कि, प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नगर निगम राजनांदगांव में भी शहर की जनता ने बड़े विश्वास और उम्मीदों के साथ भाजपा के महापौर सहित निर्वाचित पार्षदों को बहुमत के साथ जीता कर भेजा था राजनांदगांव शहर नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत शहर की आम जनता को अच्छी सडक़ का निर्माण कर चलने लायक दिया जायेगा।

लेकिन वैसा होता नहीं दिख रहा है? जिस तरह से पूर्व महापौर श्रीमती हेमादेशमुख के कार्यकाल में लगभग 10 करोड़ रूपयें की लागत की सडक़ डामरीकरण भष्ट्राचार और गुणवत्ताहीन निर्माण के चलते वे भष्ट ठेकेदार पूरी तरह से निगम आयुक्त और निगम के कार्यपालन अभियंता श्री यू के रामटेके के संरक्षण के चलते बचते रहे उन भष्ट्र ठेकेदारों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई? और आज भाजपा के एक लम्बे समय के अनुभवी महापौर श्री मधुसूदन यादव के कार्यकाल में भी ऐसा लग रहा है कि, निगम आयुक्त और निगम के कार्यपालन अभियंता श्री यू के रामटेके के मधुसूदन यादव के ऊपर भारी पड़ रहें है? क्योंकि प्रदेश सहित देश में भाजपा की सरकार है और महापौर मधुसूदन यादव के महापौर बनने के बाद जिस तरह से निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ रूपयें की लागत से किन- किन सडक़ो का निर्माण होना है ना तो उसका खुलासा हो रहा है और जिस तरह से निगम के भ्रष्ट्र अधिकारियों/कर्मचारियों के संरक्षण में शहर की डामरयुक्त सडक़ जो पूरी तरह से गुणवत्ताहीन और जिस लेयर का डामरीकरण होना चाहिए वह नहीं हो रहा है।

जबकि शहर की कई सडक़ों पर जीरो लेयर बिछाकर सडक़ डामरीकरण का भष्ट्राचार हो रहा है उससे निगम के महापौर को शहर की सडक़ पर उतकर जो सडक़ निर्माण हुआ है उसका पूरी तरह से भौतिक सत्यापन मीडिया के साथियों को लेकर वीडियोग्राफी बनवाये और भष्ट्र ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उनके सम्पूर्ण भुगतान को रोका जाये और बरसात के पूर्व शहर की पूरी सडक़ो का डामरीकरण गुणवत्ता पूर्ण काम करने वाले ठेकेदारों से करवाया जाये।

कलेक्टर से युवोदय की टीम ने की भेंट

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे से जिला कार्यालय के कलेक्टर कक्ष में युवोदय की टीम ने भेंट की। कलेक्टर ने यूनिसेफ एवं जिला प्रशासन राजनांदगांव के संयुक्त तत्वाधान में संचालित युवोदय राजनांदगांव कार्यक्रम में युवोदय स्वयंसेवियों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्वयंसेवियों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाने तथा जागरूकता एवं अन्य कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

दिग्विजय स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक 8 मई को

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष दिग्विजय स्टेडियम समिति राजनांदगांव की अध्यक्षता में 8 मई 2025 को शाम 5.30 बजे स्टेडियम कॉन्फेंस हॉल में स्टेडियम समिति के सफल संचालन हेतु स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में एजेण्डावार विभिन्न विषयों के संबंध में चर्चा की जाएगी। बैठक में सभी सबंधितों को उपस्थित होने कहा गया है।

पीएमश्री सर्वेश्वरदास विद्यालय में प्रवेश हेतु लॉटरी 10 मई को

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पीएमश्री सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव में कक्षा पहली के रिक्त 50 सीटों पर प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण के पश्चात पात्र-अपात्र सूची जारी कर दी गई है। प्रकाशित सूची के संबंध में बच्चों के पालक 8 मई 2025 तक दावा आपत्ति कार्यालयीन अवधि में दर्ज करा सकते हैं। प्रकाशित पात्र-अपात्र सूची का अवलोकन विद्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया के बाद 10 मई 2025 को सुबह 11 बजे से जिला स्तरीय गठित समिति के सदस्यों एवं पालकों की उपस्थिति में लॉटरी निकाली जाएगी।

शुभांक
1-4-6
136-0 148-3
भाग्यांक
445-3

गायत्री विद्यापीठ के परिणाम उत्कृष्ट

राजनादगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्थानीय केशर नगर स्थित गायत्री विद्या पीठ के शिक्षा एवं संस्कार के लिए ख्याति प्राप्त शाला गायत्री विद्या पीठ सीजी अंग्रेजी माध्यम के परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहे। दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा परिणाम को लेकर विद्यार्थियों तथा शाला परिवार में खुशी का वातावरण बना हुआ है। कक्षा दसवीं के 85 विद्यार्थियों में से प्रथम मानसी साहू 96त्न के साथ जिले मे पांचवा स्थान प्राप्त की है, द्वितीय देव्यांश गौतम (94.8त्न) एवं तृतीय स्थान पर मृत्युंजय गुप्ता (94.16त्न) रहे। वहीं कक्षा बारहवीं के 96 विद्यार्थियों में से गणित संकाय में प्रथम वाणी चौहान (78त्न), द्वितीय गौरव देवांगन (76.8त्न), तृतीय ईशा सोनबरसा (76.2त्न) रहे। विज्ञान संकाय में प्रथम पायल कोटेचा (87त्न), द्वितीय प्रतीक मेश्राम (85.8त्न), तृतीय दीपिका कुमावत (83त्न) तथा वाणिज्य संकाय में प्रथम राशि रंगारी 93.8त्न के साथ जिले मे तीसरा स्थान प्राप्त की है, द्वितीय ऋषभ जैन (90त्न), दृष्टि राठौर (89त्न) रहे। शाला की प्राचार्य श्रीमती पिंकी खंडेलवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि विद्यार्थियों की मेहनत लगन के साथ अभिभावक एवं शिक्षकों के प्रोत्साहन के कारण विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है। कड़ी मेहनत एवं सतत् अभ्यास के कारण ही आज हम इस मुकाम पर पहुँचे है इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्री राजेश जैन, संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, सचिव गगन लड्ढा, सह-सचिव निकुंज सिंघल, संरक्षकनंदकिशोर सुरजन, सुषमा सुरजन, हरीश गांधी, रूपाली गांधी, ऐकेडमी हेड अमित उत्तलवार, प्रशासक अनिल बाजपेयी, प्राचायपिंकी खंडेलवाल (सीजी अंग्रेजी माध्यम), प्राचार्य शैलजा नायर (सीबीएसई), प्राचायसीमा श्रीवास्तव (सीजी हिन्दी माध्यम), उपप्राचार्य वंदना डुंभरे, उपप्राचार्य रश्मि ठाकुर, उपप्राचार्य तामेश्वरी साहू, प्रणव दवे एवं मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी तथा साथ ही शिक्षक कविता रंजन, पूनम सिंह, अरविंद कुमार निषाद, अर्चना श्रीवास्तव, सुकांता सरकार, विकास शर्मा, अविनाश देवांगन, किरण चन्द्राकर एवं मेघा साहू ने भी बधाई दी।

जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे हरियाली बाहिनी नीर और नारी जल यात्रा मंगलवार को पहुंची

सोमनी (नांदगांव टाइम्स)। सोमनी से लगे ग्राम ईरा, धीरी, सांकरा में जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे हरियाली बाहिनी नीर और नारी जल यात्रा मंगलवार को पहुंची, कार्यक्रम में पद्मश्री फूलबासन यादव, हरियाली बाहिनी अभियान प्रमुख शिव कुमार देवांगन, हरियाली बाहिनी जानिया साहू,ग्राम पंचायत ईरा सरपंच साहू, सांकरा सरपंच साहू, एसी तृप्ति साहू,, मां बम्लेश्वरी समूह, बिहान समूह, बिहान केडर, ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फूलबासन यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पानी बचाने सभी को आगे आना होगा तभी पानी की समस्या से निपटा जा सकता है, आज पानी व्यर्थ बह रहा है, कई जगह जल मिशन के माध्यम से हर घर पानी मिल रहा है, लेकिन कई लोगों के यहां टोटी नहीं लगने से कई हजार लीटर पानी रोज बहा रहा है इसके लिए जल यात्रा और सभा कर जागरूक किया जा रहा है साथ ही घर से निकल कर गली में बहने एवं बरसात मे बहते पानी को सोक पिट बनाकर वाटर रिचार्ज करना होगा, साथ ही नाला बंधान जरूर बनाएं ताकि बरसात की पानी को रोककर सिंचाई के अलावा जमीन में डाला जा सके, शिव देवांगन ने बताया की पर्यावरण के लिए हम सब को जागरूक होना होगा, आज पेड़ बहुत संख्या में काटे जा रहे, साथ ही आंधी तूफान में बड़ी संख्या में पेड़ को नुकसान होता है सभी को कम से कम 10 पौधा लगाकर बचाना होगा ,पेड़ जल को को प्रभावित करता वे वर्षा के अतिरिक्त जल संचय करता है।

विश्व रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविरों का आयोजन

राजनांदगांव। विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर 8 मई 2025 को वृहद रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर तथा विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण, समेकित क्षेत्रीय केन्द्र में स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इसके अलावा ब्लड बैंक जिला अस्पताल, ब्लड बैंक शासकीय मेडिकल कॉलेज हास्पिटल पेण्ड्री, बिलासा ब्लड बैंक गुरूद्वारा के सामने, नांदगांव ब्लड बैंक शिवनाथ वाटिका के पास, लाईफ लाईन ब्लड बैंक पावर हाऊस के सामने में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिले के नागरिकों से रक्तदान शिविर में शामिल होकर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने की अपील की गई है।

तुमडीबोड पुलिस चौकी किसानों, मजदूरों को परेशान करना बंद करें - महेंद्र यादव

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला पंचायत सदस्य व जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव ग्रामीण के महामंत्री महेंद्र यादव ने एक मुलाकात के दौरान मिडिया प्रतिनिधि को बताया कि तुमडीबोड पुलिस चौकी द्वारा लगातार डोंगरगढ़ रोड में तुमड़ीबोड और सिवनी खुर्द,बोदेला के बीच पुलिस द्वारा आए दिन पॉइंट लगाकर स्थानीय लोगों से हेलमेट और लाइसेंस के नाम पर परेशान करने का काम कर रही है जिससे क्षेत्रवासियो में तुमडीबोड पुलिस चौकी की प्रति लोगों में भारी आक्रोश पनप रही है। श्री यादव ने आगे कहा कि पुलिस द्वारा खेतीहर मजदूर किसान जो अपने खेती बाड़ी बाजार के काम से आते जाते हैं उनको भी निशाना बनाकर परेशान करने का काम पुलिस कर रही है खेती-बाड़ी के काम में जाने वाले किसान मजदूर हेलमेट पहनकर खेत जाए यह संभव नहीं है। श्री यादव ने आगे कहा कि तुमड़ीबोड पुलिस चौकी किसानों मजदूरों को हेलमेट लाइसेंस के नाम पर रोकना बंद करें,परेशान करना बंद करें नहीं तो क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर आगामी दिनों में तुमडीबोड पुलिस चौकी का घेराव करने के लिए क्षेत्रवासी मजबूर होंगे, जिसके जवाबदारी वे स्वयं रहेंगे।

अवैध शराब बिक्री जोरों पर

तुमडीबोड क्षेत्र के आसपास नेशनल हाईवे सहित क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री जोरों पर चल रही है। जिसकी शिकायत क्षेत्रवासी लगातार शासन प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लगातार कर रहे हैं। भाजपा एक तरफ सुशासन तिहार मना रही है दूसरी तरफ अवैध तरीके से शराब बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद हैं। उस पर पुलिस द्वारा कोई लगाम लगाती हुई नहीं दिख रही है यूं कहे तो पुलिस और कोचियो की साठ गाठ से क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री करने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।

सी.जी. पब्लिक स्कूल का रोशन सिन्हा जिले में अव्वल

छत्तीसगढ़ में 12वाँ स्थान, मात्र 2 अंकों से टॉप-10 से चूके

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में सी.जी. पब्लिक स्कूल के छात्र रोशन सिन्हा ने जिले का नाम रोशन किया है। गणित संकाय के छात्र रोशन सिन्हा, पिता हीरालाल सिन्हा, ने 500 में से 477 अंक (95.4त्न) अर्जित कर राजनांदगांव जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य स्तरीय मेरिट सूची में भी रोशन ने उल्लेखनीय स्थान बनाया है। छत्तीसगढ़ टॉप-10 सूची की अंतिम कटऑफ 479 अंकों पर बंद हुई, जिससे रोशन केवल 2 अंकों से टॉप-10 में जगह बनाने से चूक गए। हालांकि, 477 अंकों के साथ उन्होंने प्रदेश स्तर पर 12वाँ स्थान हासिल कर जिले और विद्यालय

का मान बढ़ाया है। विषयवार अंकों की बात करें तो रोशन को हिंदी में 93, अंग्रेजी में 92, गणित में 97, भौतिकी में 96 और रसायन में 99 अंक प्राप्त हुए। इसी परीक्षा सत्र में कक्षा 10वीं (अंग्रेजी माध्यम) की छात्रा युक्ति माटेकर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 600 में से 580 अंक (96.66त्न) प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्र टिकेशदीप टांडेकर ने 579 अंक (96.50त्न) अर्जित कर चौथा स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रबंधन ने इन छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य सहित समस्त शिक्षकगणों ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

सुशासन तिहार में कृषक सदाशिव यादव ने खेती-किसानी के लिए सिंचाई का पाईप मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की

- सुशासन तिहार के लिए मुख्यमंत्री को कहा शुक्रिया
- शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए कृषक सदाशिव यादव
- किसानों के हित में कार्य कर रही सरकार

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सुशासन तिहार अंतर्गत छुरिया विकासखंड के ग्राम महाराजपुर में आयोजित समाधान शिविर में आज ग्राम पंचायत रानीतराई के आश्रिम ग्राम कुबराडीह के कृषक सदाशिव यादव ने खेती-किसानी के लिए सिंचाई का पाईप मिलने पर प्रसन्नता जाहिर किया। उन्होंने बताया कि खेती-किसानी के लिए सिंचाई में दिक्कत आ रही थी। सुशासन तिहार अंतर्गत उन्होंने अपनी समस्या के समाधान के लिए आवेदन दिया था। जिसके कारण आज उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत 60 मीटर सिंचाई पाईप मिला है, जिसमें 50 प्रतिशत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त हुआ है। किसान सदाशिव यादव ने बताया कि उनके पास 5 एकड़ खेती है, जिससे उनकी आजीविका चल रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है। जिससे किसानों के जीवन में समृद्धि एवं खुशहाली आ रही है। उन्होंने सुशासन तिहार पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को शुक्रिया कहा। कृषक सदाशिव यादव ने बताया कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। शासन की सौर सुजला योजना के तहत उन्हें 5 एचपी का पम्प मिला है। वहीं मनरेगा के तहत कुएं का निर्माण कराया है। उन्होंने बताया कि शासन की विभिन्न योजना जिनमें प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना एवं कृषक उन्नति योजना का लाभ मिला है। कृषक सदाशिव यादव ने कहा कि सरकार कृषक हितैषी है और धान का अच्छा मूल्य मिल रहा है। शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की गई। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष वे अपना पक्का मकान बनाएंगे। कृषक श्री सदाशिव यादव ने बताया कि कृषि विभाग के के सहयोग से मक्का प्रदर्शन के तहत धान के बदले मक्के की खेती की थी, जिससे लाभ हुआ है।

न्यायालय तहसीलदार लाल बहादुर नगर जिला- राजनांदगाँव (छ.ग.)
// ईश्तहार//
रा.प्र. क्रं- 202503090100006 अ/19 (3) वर्ष 2024-25
एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, राजनांदगाँव द्वारा पत्र क्रमांक 797/ त.शा/ का. अ./ लो. स्वा.या. खण्ड /2025 राजनांदगाँव, दिनांक 28.02.2025 के माध्यम से समूह जल प्रदाय योजनाओं के विभिन्न संरचनाओं हेतु नियमानुसार भूमि आबंटन करने का अनुरोध किया गया है। जल शुद्धिकरण संयंत्र हेतु लाल बहादुर नगर स्थित खसरा नम्बर 722 रकबा 0.4050हे. एवं एमबीआर हेतु ग्राम लाल बहादुर नगर स्थित खसरा नम्बर 36 रकबा 4.1860हे. स्थित है।
अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 08.05.2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
यह ईश्तहार आज दिनांक 07.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
सील — तहसीलदार लाल बहादुर नगर

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव के न्यायालय मे मामला क्रमांक- 202504091900048
विषय- ब-121 सन- 2024-2025
मामले की श्रेणी- राजस्व
बगदई प.ह.न. 00022 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक
पक्षकार - चैतराम,
अनावेदक पक्षकार -
ईश्तहार
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैतराम पिता सुद्धराम जाति मरार निवासी बगदई तहसील डोगरगांव जिला राजनांदगांव द्वारा अपने स्वंय का जन्म दिनंशक 20/1/1968 को ग्राम बगदई में हुआ है। जिसे पिता द्वारा भूलवंश ड्यानीय रजिस्टार के पास दर्ज नहीं कराया गया है। अत: आवेदक का जन्म तिथि दर्ज किये जाने हेतु स्थानीय रजिस्टार का आदेश जारी किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है।
उक्त संबंध में जिस किसी को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/5/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं, समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/04/2025 को जारी किया जाता है।
सील — तहसीलदार डोंगरगांव

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगांव 2 के न्यायालय में मामला क्रमांक- 202504095500010
विषय- ब-121 सन- 2024-2025
मामले की श्रेणी:- राजस्व
दर्री प.ह.न. 00026 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक
पक्षकार जयप्रकाश रामटेके,
अनावेदक पक्षकार -छ0 ग0 शासन,
ईश्तहार
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयप्रकाश रामटेके स्व0 प्रेमलाल निवासी ग्राम छुरिया तहसील छुरिया जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर जैनी बाई पति गोविन्द की मृत्यु दिनांक 24/03/1990 को ग्राम दर्री तहसील डोंगरगांव जिला राजनांदगांव में होने के कारण जैनीबाई पति गोविन्द की मृत्यु तिथि जारी किये जाने शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, चालान क्रमांक 66230425000784 के साथ आवेदन प्रस्तुत किया है।
उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो पेशी दिनांक 09.05.2025 को स्वंय अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/04/2025 को जारी किया जाता है।
सील — नायब तहसीलदार डोंगरगांव

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगांव 2 के न्यायालय में मामला क्रंमांक- 202504095500015
विषय- ब-121 सन- 2024-2025
मामले की श्रेणी- राजस्व
सुखरी प.ह.न. 00031 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक
पक्षकार -नारदलाल,
अनावेदक पक्षकार -छ0 ग0 शासन,
ईश्तहार
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारदलाल आ0 सुकालू निवासी ग्राम सुखरी पटवारी हल्का नं0 31 तहसील डोंगरगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपना स्वंय जन्म दिनांक 25/12/1968 को ग्राम सुखरी में होने के कारण अपना स्वंय का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने शपथ पत्र, प्रतिलिपि आवेदन की छायाप्रति, दाखिल खारिज, स्थानंतरण प्रमाण पत्र, पंचनामा के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो पेशी दिनांक 13.05.2025 को स्वंय अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया। आवेदक को सूचनार्थ उक्त ईश्तहार का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कारकर ईश्तहार की प्रति प्रस्तुत करे।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/04/2025 को जारी किया जाता है।
नायब तहसीलदार
सील — डोंगरगांव

ज्ञान मंथन

1) हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय लबी मेले का आयोजन कहाँ किया गया?

2) हाल ही में, 43 वें शारजाह अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन कहाँ किया जा रहा है?

3) कुद लोक नृत्य किस राज्य से संबंधित है?

4) प्रो-टेम स्पीकर का कर्तव्य क्या होता है?

5) हाल ही में, डब्ल्यूटीए फाइनल्स 2024 का खिताब किसने जीता?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) हिमाचल प्रदेश (2) संयुक्त अरब अमीरात (3) जम्मू व कश्मीर (4) सदस्यों को शपथ दिलाना (5) कोको गॉफ

छग कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन मिला स्कूल शिक्षा सचिव और डीपीआई से

युक्तियुक्तकरण में व्याप्त विसंगतियों को दूर करते हुए 2008 सेटअप को लागू करने की रखी मांग

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में छग संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, जागरूक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू एवं सर्व शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने अपनी टीम के साथ आज राज्य के स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी एवं संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ऋतुराज रघुवंशी से मुलाकात की।

फेडरेशन ने वर्तमान में हो रहे युक्त युक्तिकरण की विसंगतियों को दूर करने की मांग की। शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए युक्तियुक्तकरण से पहले लंबित पदोन्नति और स्थानांतरण करने की मांग रखी। फेडरेशन ने कहा कि युक्त युक्तिकरण लागू होने के बाद स्थानांतरण पर बेन हटाने व पदोन्नति करने से स्कूलों में शिक्षकों के पद पुन: रिक्त हो जाएंगे, इसलिए यदि स्थानांतरण और पदोन्नति पहले की जाती है फिर युक्त युक्तिकरण तो सारी चीजें व्यवस्थित होगी।

2008 के सेटअप के आधार पर युक्त युक्तिकरण की मांग फेडरेशन ने की, जिसके तहत प्राथमिक शालाओं में अधिकत 60 दर्ज संख्या पर एक प्रधान पाठक एवं दो सहायक शिक्षकों सहित तीन शिक्षकों को पदस्थ करने की मांग की गई। इसी प्रकार मिडिल स्कूलों में एक प्रधान पाठक

सहित पांच शिक्षक पदस्थ करने ज्ञापन व मांग पत्र दी गई। जिस पर विचार करने की बात कहते हुए डीपीआई ने कहा कि जिन जिलों में पदोन्नति का मामला न्यायलयीन कारणों से बाधित नहीं है और इसके बावजूद जहां पर पदोन्नति की प्रक्रिया नहीं की जा रही है, वहां की जानकारी मुझे दीजिए, ताकि मैं इस दिशा में पहल कर सकूं।

शिक्षकों ने युक्तियुक्तकरण के मुद्दे पर सेटअप 2008 सहित तमाम बिंदुओं को गंभीरता से रखा जिस पर अधिकारियों ने विचार करने की बात कही।

आज सबसे पहले बीएडधारी सहायक शिक्षकों की नौकरी बहाली और इनके शिक्षा विभाग में विज्ञान सहायक के पदों पर समायोजन के लिए कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने स्कूल शिक्षा सचिव और डीपीआई का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रदेश सरकार व शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया।

स्कूल शिक्षा सचिव और डीपीआई से मिलने वालों में संयुक्त शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रवक्ता विजय राव, प्रांतीय संगठन मंत्री सुभाष शर्मा, प्रांतीय मीडिया प्रभारी अमित दुबे, रायपुर जिलाध्यक्ष प्रदीप साहू, जिला संगठन मंत्री योगेश निर्मलकर, ब्लॉक सचिव अभनपुर भारत नेताम, जिला धमतरी की जिला टीम से डेवेश कुमार साहू, जिला कोषाध्यक्ष लोमश प्रसाद साहू, जिला संयोजक लोचन साहू, जिला उपाध्यक्ष खिंजन लाल साहू, ब्लॉक सचिव आदि सम्मिलित थे।

ग्राम परवीडीह एवं ग्राम हिड़कोटोला के सरहदी सीमा विवाद के संबंध में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ली ग्रामीणों की बैठक

मोहला (नांदगांव टाइम्स)। जिला कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर तुलिका प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने ग्राम परवीडीह एवं ग्राम हिड़कोटोला के सरहदी सीमा विवाद के संबंध में बैठक ली। बैठक में डी.एफ.ओ. दिनेश पटेल, जिला पंचायत की अध्यक्ष नम्रता सिंह, जिला पंचायत सदस्य नरसिंह भंडारी, ग्राम परवीडीह एवं ग्राम हिड़कोटोला के ग्रामवासियों की उपस्थिति में सीमा विवाद के संबंध में चर्चा किया गया। मीटिंग में दोनों ग्राम के ग्रामवासी की उपस्थिति में निर्णय लिया गया कि दोनों ग्रामों के बीच जंगल कक्ष क्रमांक क्क्र 561 एवं 562 में सरहद का निर्धारण वन विभाग द्वारा किया जाएगा। विभाग द्वारा सरहद का निर्धारण किया जाएगा उसमें दोनों ग्राम को मान्य होगा। निर्णय से दोनों ग्राम के द्वारा समिति दी गई है।

मोहला के धोबेदंड और मानपुर के सीतागांव में समाधान शिविर आज

मोहला। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आज 8 मई को जनपद पंचायत मोहला के धोबेदंड और जनपद पंचायत मानपुर के सीतागांव में आज समाधान सिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न योजनाओं से अनेक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। शिविर के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने ग्रामीणजनों को शिविर में उपस्थित होने अपील की है।

हमारी सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। हमारी सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है। इस पर हम भारतवासियों को गर्व है। सेना हमारी आन, बान, शान है। तीनो भारतीय सेना को बहुत -बहुत बधाई। शीर्ष नेतृत्व को बहुत -बहुत धन्यवाद। किन्तु आतंकियों के ठिकानो के नष्ट होने से हमें संतोष नहीं। आतंकवादियों को ख़त्म करना होगा। पूरा पाकिस्तान हीं आतंक का ठिकाना है। पाकिस्तान का नक्शा खत्म हो जाना चाहिये। न केवल पहलगांव मे भारतीय मातृ शक्ति का सिंदूर उजड़ा है, अपितु हर आतंकवादी हमले मे सिंदूर उजड़ा हुआ है। हमलोग बदला लेना आरम्भ किये हैँ अभी बदला पूरा नहीं हुआ है। पड़ाव को मंजिल समझने की भूल ना करें। साँप को कुचल कर ना छोड़ें। आतंक वादियों के साथ -साथ इसी समय भारत मे पनप रहे नक्शलवाद को भी समाप्त करना होगा। नक्ूशलियों को स्पष्ट चेतावनी देनी चाहिये शीर्ष नेतृत्व को कि वो नक्शल वाद का रास्ता छोड़ कर भारत के मुख्य धारा मे शामिल हो जायें नहीं तो उनका भी यही हाल होगा। सुधर जायें, ताकि भारत के लोग सुख -चैन कि ज़िन्दगी जी सकें। क्क ह्र.च अब अपने भारत मे मिला लेना चाहिये। यही समय है, सही समय है। क्क्य अब हमारे पास होना हीं चाहिये और वहाँ लोकतंत्र बहाल होना चाहिये, उसका नाम श्चश्चद्म से हटाकर भारतीय सेना शहर घोषित होना चाहिये। हम इतने से संतुष्ट नहीं हैँ और हमारा अभियान जारी रहेगा। पाकिस्तान कि ऐसी दुर्गति हो जाये कि उसका नामोनिशान मिट जाये ताकि आने वाले भविष्य मे हमारे बच्चे कहें कि एक था पाकिस्तान । जय हिन्द, जय हिन्द की सेना, जय माँ, जय माँ भारती।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अक्षय कुमार सातपुते का बिजली का बिल हुआ शून्य

राजनांदगांव (**नांदगांव टाइम्स**)। शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बिजली की बचत की दिशा में बहुत फायदेमंद साबित हो रही है। राजनांदगांव के बैजनाथ कालोनी निवासी अक्षय कुमार सातपुते ने बताया कि उन्होंने 2 लाख 10 हजार रूपए की लागत से 3 किलो वाट का प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगाया है। जिसके लिए 78 हजार रूपए की सब्सिडी मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बहुत लाभ हैं। पहले बिजली का बिल 1000 रूपए से लेकर 5000 रूपए तक आता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगने से बिजली का बिल शून्य हो गया है तथा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर विद्युत विभाग के पास जमा हो रहा है, जो भविष्य में उपयोग में लाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग के पास 328 यूनिट विद्युत जमा है, जिसका मूल्य लगभग 5058 रूपए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगवाने से बिजली के बिल से राहत मिली है। वही यह पर्यावरण के लिए भी बहुत अच्छा है। सौर ऊर्जा को इससे प्रोत्साहन मिल रहा है।

शहर में महापौर के प्रयास से एक और गौरव पथ की योजना सराहनी - सेन

इन मार्गो को गौरव पथ बनाने दिए सुझाव

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । नगर निगम के पूर्व वरिष्ठ पार्षद एवं सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन ने महापौर मधुसूदन यादव के बजट में एक और गौरव पथ बनाने की योजना की प्रशंसा की है। श्री सेन ने कहां की शहर में चौखड़िया पारा से लेकर स्टेडियम रोड तक बनी गौरव पथ मधुसूदन यादव के ही कार्यकाल में बनी है। उन्हें शहर विकास की चिंता तब भी थी अब भी है और आगे भी रहेगी। उन्होंने शहर के कई आधारभूत विकास निर्माण कार्य कराए हैं। इसी कड़ी में एक और गौरव पथ की

योजना में शहर के सौंदर्य करण में मील का पत्थर साबित होगा।

सेन ने आगे कहा कि एक के बजाय दो गौरव पथ निर्माण का सुझाव दिया है। जिसमें इंदिरा नगर चौक से महावीर चौक जी ई रोड तक एवं पुराना गंज चौक से गुरु नानक चौक जी ई रोड तक इस प्रकार मानव मंदिर चौक में शहर में प्लसआकार का केंद्र बिंदु बनने वाले गौरव पथ बनाने की बात कही है। शहर के एक और गौरव पथ बजट के शामिल करना बहुत ही सराहनीय कार्य होगा। विगत दिवस नगर निगम के बजट बैठक में महापौर मधुसूदन यादव द्वारा शहर में एक और गौरव पथ निर्माण करने का बजट प्रस्तावित किया गया है। जो कि निश्चित ही सराहनीय कार्य है नगर निगम चौक महावीर चौक से इंदिरा नगर चौक तक एवं पुराना हॉस्पिटल गुरुद्वारा चौक से पुराना गंज मंडी चौक तक गौरव पथ रोड में शामिल किया जाना चाहिए। जिससे शहर के भीतर भागों का रोड चौड़ीकरण एवं सौंदर्य करण होना और हमारा शहर में एक अच्छा गौरव पथ भी मिल जाएगा।

वैसे भी अतीत में हमार शहर की रोड से अनेक सड़क जैसे महावीर चौक से इंदिरा नगर कीका भाई पेट्रोल पंप से आजाद चौक रेलवे स्टेशन से बसंतपुर थाना चौक रामाधीन मार्ग पुराना नेशनल हाईवे से पूरा शहर दिखता था।

यदि सिर्फ दो रोड को 60 फीट या 80 फीट की रोड बनाकर गौरव पथ के रूप में शामिल कर निर्माण कर बनाया जाता है तो शहर का चौड़ीकरण एवं सौंदर्य करण बेहतर हो सकता है।

सुशासन तिहार :ग्राम महाराजपुर में समाधान शिविर का हुआ आयोजन

- कलेक्टर ने ग्रामवासियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर निराकरण के दिए निर्देश

- शिविर में 2615 आवेदन हुए प्राप्त, 2614 आवेदनों का किया गया निराकरण

राजनांदगांव। सुशासन तिहार अंतर्गत आज छुरिया विकासखंड के ग्राम महाराजपुर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे समाधान शिविर में शामिल हुए। सुशासन तिहार अंतर्गत ग्राम भंडारपुर, घोघरे, हालेकोसा, जरहामहका, झिथराटोला, लालूटोला, मगरधोखरा, महाराजपुर, नागरकोहरा, पिनकापार, रामपुर, रंगीटोला, शिकारीटोला, कल्लूटोला के मांग एवं शिकायतों से प्राप्त

आवेदनों के निराकरण के लिए संयुक्त रूप से समाधान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन किया गया तथा गर्भवती माताओं की गोदभराई की गई। अध्यक्ष जिला पंचायत एवं जनप्रनिधियों ने शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने ग्रामवासियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में 2615 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें 2614 आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर में ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, मधुमेह का परीक्षण कराया। स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यकता अनुसार दवाईयों का वितरण किया गया। वही आयुर्वेद विभाग के स्टॉल में जनसामान्य को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाईयों का वितरण किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, मछली पालन, पशुधन विकास, लोक निर्माण, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग, जिला सहकारी, श्रम विभाग, आयुर्वेद विभाग, खाद्य विभाग सहित अन्य विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने निराकरण का वाचन किया। शिविर में मोटराईज्ड ट्रायसायकल, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लर्निंग लाईसेंस, सिंचाई के लिए पाईप सहित विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री वितरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

धर्म समाचार....

12 मई को बुद्ध पूर्णिमा, पीपल के वृक्ष की पूजा से होगा हर दुख का निवारण

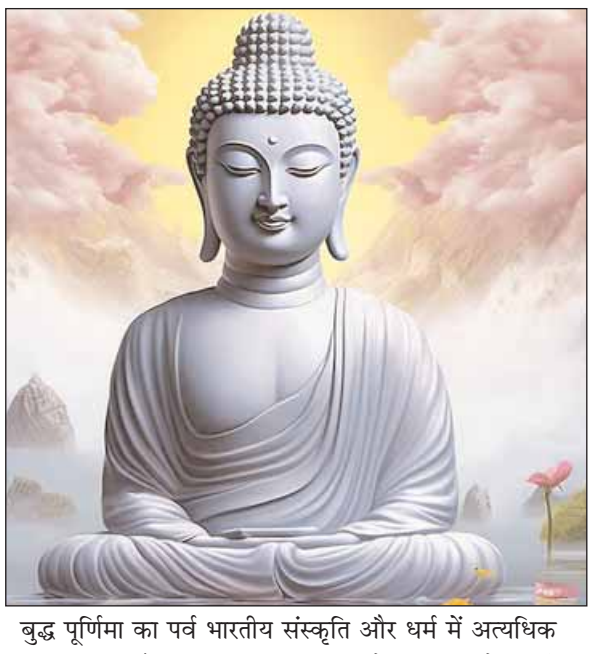

बुद्ध पूर्णिमा का पर्व भारतीय संस्कृति और धर्म में अत्यधिक महत्व रखता है। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, उनके निर्वाण और उनके पहले उपदेश देने के दिन के रूप में मनाया जाता है। भगवान बुद्ध ने संसार को अपने उपदेशों से दुखों से मुक्ति का रास्ता दिखाया और आत्मज्ञान की प्राप्ति का मार्ग बताया। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है, लेकिन यह पर्व हिंदू धर्म में भी विशेष महत्व रखता है।

2025 में बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को पड़ रही है, जो सोमवार को आएगी। इस दिन का विशेष महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इस दिन शुभ योग भी बन रहे हैं, जो पूजा और अनुष्ठानों के लिए उत्तम समय प्रदान करते हैं। इस दिन विशेष रूप से पीपल के वृक्ष की पूजा का महत्व है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु से जुड़ा हुआ है और इसे एक पवित्र वृक्ष माना जाता है। पीपल की पूजा करने से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि यह धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली भी लाता है।

बुद्ध पूर्णिमा 2025 पर बन रहे शुभ योग

बुद्ध पूर्णिमा 2025 पर तीन महत्वपूर्ण शुभ योग बन रहे हैं, जो पूजा और व्रत के लिए अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। ये योग विशेष अवसर प्रदान करते हैं, जिससे इस दिन की पूजा का महत्व और भी बढ़ जाता है। रवि योग 12 मई 2025 को प्रात: 05 बजकर 32 मिनट से लेकर 06 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। इस समय में भगवान विष्णु और सूर्य देव की पूजा करना विशेष लाभकारी माना जाता है। दूसरा योग भद्रावास योग 12 मई को प्रात: 05 बजे से लेकर प्रात: 09 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। इस योग में कोई भी शुभ कार्य जैसे पूजा, व्रत या मांगलिक कार्य करना विशेष फलदायक माना जाता है। वहीं तीसरा योग वरीयान योग 12 मई 2025 को प्रात: 05:00 बजे से लेकर 13 मई प्रात: 05:52 तक रहेगा। वरीयान योग में विशेष पूजा और साधना करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

बुद्ध पूर्णिमा 2025 चन्द्रोदय और चन्द्र अस्त समय

बुद्ध पूर्णिमा 2025 के दिन चन्द्रोदय सायं 06 बजकर 57 मिनट पर होगा। इस समय चंद्रमा का उदय होगा, और इस दौरान विशेष पूजा व अर्चना का महत्व बढ़ जाता है। चन्द्र अस्त अगले दिन प्रात: 05 बजकर 31 मिनट पर होगा। इस समय के बाद चंद्रमा अस्त होगा और पूजा का समापन किया जा सकता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर पीपल के पेड़ की पूजा विधि

बुद्ध पूर्णिमा के दिन सबसे पहले ताजे पानी से स्नान करें और शुद्धि की भावना से मन और शरीर को साफ करें।

पूजा के लिए सबसे पहले एक शुद्ध, स्वस्थ और हरा-भरा पीपल का पेड़ चुनें। यदि घर में पीपल का पेड़ नहीं है, तो

नजदीकी मंदिर या पवित्र स्थान पर जाएं जहां पीपल का पेड़ हो।

पीपल के पेड़ के नीचे या उसके आस-पास एक साफ स्थान पर आसन बिछाकर बैठें और वहां दीपक, अगरबत्ती, फूल और चंदन रखें।

पीपल के पेड़ की जड़ में शुद्ध जल का छिड़काव करें। यह पेड़ के प्रति श्रद्धा और सम्मान दिखाता है।

पीपल के पेड़ के नीचे दीपक और अगरबत्ती लगाएं। यह वातावरण को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, ग्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बैट, टी-टी बैट, ट्रैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

सांसद संतोष पांडे ने आदिवासी कन्या आश्रम भवन निर्माण का फीता काटकर किया लोकार्पण

1 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपए की लागत से निर्मित भवन का किया लोकार्पण

राजनांदगांव। जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जक्के में 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपये की लागत से निर्मित आदिवासी कन्या आश्रम के लोकार्पण में बतौर मुख्य अतिथि राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे शामिल हुए और छात्रावास भवन का लोकार्पण किया।

सांसद संतोष पांडे सभी को बधाई देते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, सुविधा और सशक्तिकरण के लिए भाजपा सरकार पूरी दृढ़ता एवं प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हमारी आदिवासी बेटियों को बेहतर शिक्षा और शैक्षणिक सुविधाएं देकर उनके उज्वल भविष्य की राह आसान करने में यह छात्रावास अहम भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर इंद्रशाह मंडावी विधायक मोहला मानपुर, नम्रता सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत,भोजेश शाह उपाध्यक्ष जिला पंचायत, पुष्पा बाई मंडावी अध्यक्ष जनपद पंचायत,मदन लाल साहू पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, रेखा बाई कोठारी जिला पंचायत सदस्य, प्रकाश मिश्रा मंडल अध्यक्ष भाजपा, कंचनमाला भूआर्य मंडल अध्यक्ष औधी, सुखदी बोगा सरपंच ग्राम पंचायत जस्के एवं पंचगण गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर सेना का सर्जिकल स्ट्राइक देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक-भाजपा

भाजपा नेताओं ने महाकाल चौक पर खुशियां बांटी

राजनांदगांव, कश्मीर में हुई आतंकवादी घटना के विरोध में तीनों सेनाओं द्वारा पाक आतंकियों पर की गई 9 सर्जिकल स्ट्राइक की खुशी शहर में देखी गई। सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख,संतोष अग्रवाल सचिन बघेल सहित अनेकों भाजपा नेता जय स्तंभ चौक में एकत्र हुए और रैली के रूप में महाकाल चौक मानव मंदिर पहुंचे, जहां पर सभी नेताओं ने मिलकर जश्न मनाया, पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी और खुशी व्यक्त करते हुए भारत माता की जय घोष की और साथ ही नेताओं ने पाक मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता जोश एवं उमंग में उत्साहित होकर झूम झूम कर नाचने लगे और हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारतीय सेना की जय घोष करते हुए देश के जांबाज सैनिकों को सैल्यूट भी किया।

मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि मोदी जी का आंतकवाद पर कड़ा प्रहार का हृदय से स्वागत करते हैं। और यह अभी शुरुआत है तीनों सेना की संयुक्त कार्रवाई से की गई सर्जिकल स्ट्राइक से 140 करोड़ देशवासी सेना के साथ खड़े हैं।

सांसद संतोष पांडे ने कविता के माध्यम से गर्जना करते हुए कहा कि अभी तो अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है, उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना में एक बहन ने आंतकवादी से कहा कि मुझे भी मार दो तो सिरफिरे ने कहा कि नहीं तुम्हे इसलिए जिंदा छोड़ा है कि मोदी को जाकर बताना, सांसद पांडे ने कहा कि यह बदला लेने वाला भारत है उन्होंने कहा कि आज उस महिला की वहीं भाषा खूंखार आंतकवादी मसूद असगर कह रहे थे कि काश मैं भी इस हमले में मर जाता। क्योंकि भारत की सेना ने इतना सटीक हमला किया था की कई खूंखार आंतकवादी मारे गए।

जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर किये गए हमला को देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए भाजपा पदाधिकारियों ने सेना के जवानों का हौसला बढ़ाते हुए महाकाल चौक में आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण कर,सेना के मिशन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशियां मनाई। राजपूत ने कहा कि सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण जवाबी कार्यवाही है। यह सभी देशप्रेमी भारतीयों के लिए गर्व और गौरव की बात है 7 देश का नागरिक भारत की सेना के साथ है।

इस अवसर पर सौरभ कोठारी,किशुन यदु,शिव वर्मा, सुमित भटिया,गोलू गुप्ता,रघुवीर वाधवा, रवि सिन्हा,राजेंद्र जैन, प्रखर श्रीवास्तव, हकीम खान, शेखर यादव, राजेश यादव,गिन्नी चावला, शैंकी बग्गा, सज्जन कुमार, देवकुमारी साहू,सावन वर्मा, संजय तेजवानी, राजू डागा महिला मोर्चा सहित भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी ,जनप्रतिधिगण कार्यकर्ताओ के साथ प्रबुद्ध नागरिकगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मकानो में बिल्ला ठोकने के नाम पर ग्रामीणों से वसूली

जनपद सदस्य सरिता मदन साहू के विरोध के बाद जनपद सीईओ ने अनुमति को किया रद्द

राजनांदगांव। डोंगरगांव क्षेत्र के गांव गांव में मकान में स्वच्छ भारत का बिल्ला ठोकने के नाम पर ग्रामीणों से 50-50 रुपए की वसूली किए जाने की शिकायत पर जनपद पंचायत सदस्य सरिता मदन साहू ने विरोध जताया था। उसके बाद डोंगरगांव जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मकान में बिल्ला ठोकने पैसे लेकर की अनुमति को निरस्त कर दिया है।

श्रीमती साहू ने आगे कहा कि उपरोक्त संदर्भित पत्र के द्वारा विकासखण्ड डोंगरगांव जिला राजनांदगांव के अन्तर्गत सभी ग्रामो में ग्रामीणों में जन-जागरूकता लाने स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छता है जहाँ जिन्दगी है वहाँ बहु बेटिया दूर न जाये घर में शौचालय बनवायें जैसे विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम नंबर प्लेट लगाकर लगाने का उल्लेख किया गया है साथ ही नंबर प्लेट का मूल्य 50.00 रूपये शुल्क मकान मालिक द्वारा स्वयं वहन करने तथा उसमें किसी प्रकार का कोई शासकीय व्यय नही करने का उल्लेख किया गया ह ै ।

म क ा न मालिक के अनुमति उपरांत ही नंबर प्लेट लगाया जावेगा। मकान नंबर प्लेट लगाने में संबंधित व्यक्ति को सरपंच, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता / सहायिका एवं कोटवार आवश्यक सहयोग प्रदान का आदेश जारी किया गया था। डोंगरगांव एसडीएम के आदेश पर आज जनपद पंचायत के मुख्य कार्यप्रणा अधिकारी ने गांव में स्वच्छ भारत का बिल्ला ठोकने के नाम पर 50-50 रुपए प्रत्येक घर से लिए जाने का अनुमति दिया था। जिसमें कई घरों से बिल्ला ठोकने के नाम पर 50-50 रुपए लिया भी गया है। क्षेत्र के गांव में कई घर आते हैं जिसमें लाखों रुपए का वसूली हो सकता था। लेकिन विरोध करने के बाद यह आदेश किसके कहने पर निरस्त किया गया। इसकी जांच होनी चाहिए और साथ ही साथ कड़ी कार्रवाई भी होनी चाहिए।

कलेक्टर ने सुबह विभिन्न वार्डों का किया निरीक्षण

नवागांव सेनिटेशन पार्क का किया अवलोकन, कचरा निपटान एवं खाद बनाने की प्रक्रिया देखी

- स्वच्छता दीदीयों को घर से ही गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग लेने के लिए कहा

- नवागांव पानी टंकी का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज सुबह राजनांदगांव शहर के वार्ड क्रमांक 1 से 5 में पेयजल, साफ-सफाई व्यवस्था, विद्युत एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। नवागांव सेनिटेशन पार्क ट्रेचिंग ग्राऊण्ड का अवलोकन कर कचरा निपटान एवं खाद बनाने की प्रक्रिया देखी तथा स्वच्छता दीदीयों से चर्चा करते हुए कहा कि कचरे का समुचित निपटान करें। उन्होंने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के संबंध में जानकारी ली तथा प्लास्टिक वेस्ट अलग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि घर से ही गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग लें। इसके संबंध में जागरूकता लाने की आवश्यकता है, ताकि नागरिक गीले एवं सूखे कचरे को अलग कर स्वच्छता दीदी को प्रदान करें, इसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने नवागांव पानी टंकी का निरीक्षण किया तथा वाल्वमैन से चर्चा कर पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नवागांव में लो वोल्टेज के संबंध शिकायत मिलने पर इसे दूर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर बाबूटोला, ढाबा में वार्डवासियों से रूबरू हुए और उन्होंने पेयजल के संबंध में जानकारी ली तथा अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चिखली में नाला निर्माण कार्य को बारिश के पहले पूर्ण करने के लिए कहा। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री यूके रामटेके सहित वार्ड पार्षद एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मानव सेवा और जनजागरूकता को समर्पित हेमशंकर जेठमल साहू का जीवन

राजनांदगांव। हेमशंकर जेठमल साहू छत्तीसगढ़ के छुरिया ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बन नवागांव के निवासी हैं। वर्तमान में साहू समाज के प्रचार प्रचार मंत्री, अल्वा फाउंडेशन न्यू दिल्ली के चेयरमेन बैसाखिन देवी एजुकेशन एवं हेल्थ चेरिटेबल ट्रस्ट नागपुर के अध्यक्ष एवं सृष्टि पूजा फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड निदेशक है, वे वर्षों से समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। एम. कॉम एमए, बीएड, डीएड, एलएलबी तथा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से लोक संगीत में डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद वे पूजा कोटिंग सेंटर, डोंगरगांव के संचालक बने और शैक्षिक क्षेत्र में भी अध्यापक के रूप साल्हे में अपनी सेवाएं दे रहे थे। जेठमल वर्तमान में ही सामाजिक क्षेत्र में पीएचडी किए और उन्हें रिचर्ड अवॉर्ड न्यू दिल्ली संवैधानिक क्लब में दिया गया। श्री साहू ने युवाओं के साथ मिलकर खेलकूद, सांस्कृतिक कायक्रर्म, लोकगीत प्रतियोगिताएं व जनजागरूकता अभियानों का संचालन किया है। नेहरू युवा केंद्र व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से उन्होंने गांव के अलावा जिला कई राज्यों के कई स्थानों पर प्रतियोगिताएं व शिविर आयोजित किए। पर्यावरण संरक्षण हेतु पंजाब, दिल्ली, राजनांदगांव व अन्य जिलों में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविरों में उन्होंने वृक्षारोपण, सफाई और सामाजिक विषयों पर विशेष योगदान दिया। वे पल्स पोलियो, एड्स नियंत्रण, महिला साक्षरता, बाल दिवस, अस्पृश्यता निवारण व कौमी एकता जैसे अभियानों में भी अग्रणी रहे हैं। ओडिशा चक्रवात और गुजरात भूकंप जैसी आपदाओं में उन्होंने राहत सामग्री एकत्र कर भेजी। महिला स्वसहायता समूहों और युवाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी दिलवाया। जिला प्रशासन द्वारा हेमशंकर साहू को उनके सामाजिक योगदान के लिए जिला युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे आज भी अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु शासन-प्रशासन के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं, उनका जीवन संपूर्ण रूप से जनसेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित है।

गाय के पेट से निकली 25 किलो पॉलीथिन, डॉक्टर भी रह गए हैरान

डोंगरगांव/ घनश्याम साव(नांदगांव टाइम्स)। डोंगरगांव के समीप ग्राम माथलडबरी में एक गाय के पेट से 25 किलोग्राम पॉलीथिन और कचरा निकालने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गाय के मालिक किसान लालेश धनकर उसे पेट की सूजन, भूख न लगने और चलने-फिरने में परेशानी की शिकायत लेकर पशु चिकित्सालय डोंगरगांव लाए थे। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया।

रूमिनोटॉमी सर्जरी के दौरान खुला राज

पशु चिकित्सक डॉ. आदित्य चंद्राकर के नेतृत्व में की गई रूमिनोटॉमी सर्जरी के दौरान गाय के पेट से करीब 25 किलो प्लास्टिक झिल्ली और अन्य अपशिष्ट पदार्थ निकाले गए। डॉक्टरों के अनुसार, गाय ने यह सब गलियों, खेतों और कचरे के ढेर में फेंके गए प्लास्टिक को चारा समझकर निगल लिया था, जिससे उसकी पाचन क्रिया लगभग पूरी तरह रुक गई थी।

गाय की हालत अब स्थिर

डॉ. चंद्राकर ने बताया, यदि समय पर सर्जरी नहीं की जाती, तो गाय की जान बचाना मुश्किल हो जाता। ऑपरेशन के बाद उसकी स्थिति अब स्थिर है और वह चिकित्सकीय निगरानी में है। इस सर्जरी में डॉ. रूपधर धनकर, ढलसिंह चंद्रवंशी और ओमकार साहू ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्लास्टिक बना पशुओं के लिए जानलेवा

यह घटना सिर्फ एक पशु की जान नहीं, बल्कि समाज को एक गहरी चेतावनी भी देती है। खुले में फेंका गया प्लास्टिक और कचरा सिर्फ पर्यावरण को नहीं, बल्कि बेजुबान जानवरों की जान को भी खतरे में डाल रहा है।

प्रशासन और नागरिकों से अपील

स्थानीय प्रशासन और नागरिकों से अपील की गई है कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करें, कचरा खुले में न फेंकें और पशुओं को चारा देने से पहले सुनिश्चित करें कि उसमें कोई हानिकारक वस्तु न हो।

सुशासन तिहार में दिव्यांग केशरी को मिला मोटराईज्ड ट्रायसायकल का उपहार

- दिव्यांग केशरी को निःशुल्क मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने से सब्जी विक्रय करने हाट बाजार जाना हुआ आसान

राजनांदगांव। सुशासन तिहार कल्लूटोला निवासी दिव्यांग केशरी साहू के लिए उपहार लेकर आया। जिले के छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूटोला निवासी दिव्यांग केशरी साहू को महाराजपुर समाधान शिविर में निःशुल्क मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने पर बहुत खुशी जाहिर की। दिव्यांग केशरी बाई ने बताया कि मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने से अपने ग्राम के आस-पास क्षेत्र के हाटबाजार में सब्जी विक्रय करने जाना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही मोटराईज्ड ट्रायसायकल में स्टोरेज के लिए डिक्की लगा हुआ है। जिससे साग-सब्जियों का परिवहन आसानी से हो जाएगा।

केशरी ने बताया कि वे आस-पास के हाट बाजार में जाकर सब्जी का व्यवसाय करती है। जिससे उनके परिवार की आजीविका अच्छे से चल रही है। केशरी साहू ने बताया कि सुशासन तिहार के अंतर्गत उन्होंने मोटराईज्ड ट्रायसायकल के लिए आवेदन किया था। जिसके अंतर्गत आज महाराजपुर समाधान शिविर में मुझे मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिल गया है। इससे हाट बाजारों में सब्जी बेचने जाना सरल हो जाएगा और जाने-आने में कम समय लगेगा। उन्होंने शासन-प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज गांव तक समाधान शिविर के माध्यम से ट्रायसायकल देकर लाभान्वित किया गया है।

दिव्यांग केशरी ने कहा कि सुशासन तिहार के जरिए शासन-प्रशासन ग्राम के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित कर रही है। यह नागरिकों की समस्याओं को दूर करने के लिए शासन की अच्छी पहल है। दिव्यांग केशरी ने सुशासन तिहार आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मोः 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com